समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

विशाल नाईकवाडे : कोडिंग से खेती तक — समृद्धी एग्रो इंडस्ट्रीज के पीछे एक साहसिक उद्यमी की कहानी

Sanket Morankar

Published on 16 Dec 2025

सफलता हमेशा ऊँची इमारतों, एसी ऑफिस और स्थिर नौकरी में ही नहीं होती—
कभी-कभी वह मिट्टी से जुड़कर, किसानों के दर्द को समझकर और समाज के लिए कुछ करने के जुनून से जन्म लेती है।

ऐसी ही प्रेरणादायी कहानी है
विशाल नाईकवाडे,
संस्थापक — **समृद्धी एग्रो इंडस्ट्रीज**,
जिन्होंने एक सुरक्षित कॉर्पोरेट करियर छोड़कर
कृषि क्षेत्र में नवाचार और बदलाव की राह चुनी।

शिक्षा पूरी करने के बाद
विशाल नाईकवाडे ने **कंप्यूटर इंजीनियर** के रूप में
एक नामी आईटी कंपनी में नौकरी शुरू की।

अच्छा वेतन, सुविधाजनक ऑफिस और स्थिर जीवन—
सब कुछ था।
लेकिन मन में एक सवाल लगातार उठता रहा—

“क्या मै संच मे वंही कर रहा हूँ, जिससे मुझे संतोष मिलता है ?”

कुछ वर्षों बाद उन्होंने
बैंकिंग सेक्टर में कदम रखा।

यहाँ उन्हें—

• वित्तीय प्रबंधन
• ऋण प्रक्रिया
• और सबसे अहम — किसानों की वास्तविक समस्याएँ

करीब से देखने का अवसर मिला।

कर्ज लेने आए किसानों की स्थिति देखकर
उनका मन बार-बार विचलित होता—

अथक मेहनत के बावजूद कम आमदनी,
पानी की कमी,
बढ़ता खर्च,
और आधुनिक तकनीक का अभाव।

यहीं एक विचार ने जन्म लिया—

"अगर मै अंपना ज्ञान और अनुभव खेती के लिए उपयोग कर सकूँ तो ?"

नौकरी सुरक्षित थी,
लेकिन सपना बड़ा था।

गंभीर सोच-विचार,
परिवार से चर्चा
और खुद पर भरोसा करके
विशाल नाईकवाडे ने
एक बड़ा फैसला लिया—

? नौकरी छोड़कर एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स का व्यवसाय शुरू करने का।

शुरुआत आसान नहीं थी—

• सीमित पूंजी
• बाज़ार में पहचान की कमी
• असफलता का डर

लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

आधुनिक तकनीक के साथ
उन्होंने किसानों के लिए उपयोगी उत्पाद विकसित किए—

• ड्रिप इरिगेशन सिस्टम
• मल्चिंग पेपर
• अन्य कृषि-सहायक सामग्री

उनका फोकस साफ था—

किसानों को सस्ते, टिकाऊ और प्रभावी समाधान देना।

धीरे-धीरे किसानों को
उत्पादों का असर दिखने लगा—

• पानी की बचत

• लागत में कमी
• उत्पादन में वृद्धि

यहीं से
समृद्धी एग्रो इंडस्ट्रीज
तेज़ी से आगे बढ़ने लगी।

• रोजगार के अवसर बने
• कंपनी का विस्तार हुआ
• और सबसे महत्वपूर्ण —
किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया

आज विशाल नाईकवाडे
एक सफल उद्यमी हैं।

वे गर्व से कहते हैं—

> "मैं कंप्यूटर इंजीनियर था,
> बैंक में काम किया,
> लेकिन खेती के लिए कुछ कर पाया—
> यही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है।"

[?] सपने बदल सकते हैं,
[?] रास्ते बदल सकते हैं,
लेकिन अगर **नियत साफ हो, मेहनत सच्ची हो और उद्देश्य समाज के लिए हो—**
तो सफलता निश्चित है।

विशाल नाईकवाडे की यह यात्रा
हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है
जो सुरक्षित सीमाओं से बाहर निकलकर
कुछ सार्थक करना चाहता है।

कृषि क्षेत्र में नवाचार, किसानों के सशक्तिकरण और उद्यमिता के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने के उनके उल्लेखनीय कार्य को देखते हुए
विशाल नाईकवाडे को चयनित किया गया है —

- **Maharashtra Business Icon 2025**
- **Maharashtra Style Icon 2025**
- **Maharashtra Fashion Icon 2025**

ये प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान कर रहे हैं —

Reseal.in और **India Fashion Icon Magazine**,
जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों, नवप्रवर्तकों और समाज में बदलाव लाने वाले व्यक्तित्वों को
राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने का कार्य करते हैं।

यह उपलब्धि केवल विशाल नाईकवाडे की व्यक्तिगत सफलता नहीं है,
बल्कि उन सभी किसानों की जीत है

जिनके जीवन में **समृद्धी ऍग्रो इंडस्ट्रीज** के माध्यम से
तकनीक, भरोसा और स्थायी समाधान पहुँचे हैं।

विशाल नाईकवाडे की यात्रा यह सिखाती है कि—

ज्ञान + अनुभव + साहस = समाजोपयोगी सफलता

आज वे केवल एक सफल उद्यमी नहीं,
बल्कि आधुनिक कृषि को नई दिशा देने वाले
एक प्रेरणादायी उदाहरण हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.